Rajasthan Patrika

Chennai Date: 18.01.08 Page No: 03

एल. वी. प्रसाद के जन्म शताब्दी समारोह में गुरुवार को शिरकत करने आए मुख्यमंत्री करुणानिधि का अभिवादन करते केंद्रीय मंत्री डा. दसरी नारायण राव, कमल हासन तथा प्रसाद के पुत्र ए. रमेश प्रसाद।

प्रसाद के लक्ष्य को पूरा करें : करुणानिधि

एल. वी. प्रसाद का जन्म शताब्दी समारोह

कार्यालय संवाददाता
चेन्नई, 17 जनवरी।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि ने शुक्रवार को शपथ दिलाई कि दिवंगत फिल्म निर्माता व निर्देशक एल. वी. प्रसाद के सपने व लक्ष्य को पूरा करने का सार्थक प्रयास किया जाए। यहां नंदम्बाक्कम स्थित चेन्नई ट्रेड सेंटर में प्रसाद ग्रुप की ओर से आयोजित एल. वी. प्रसाद जन्म शताब्दी समारोह को वे संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने प्रसाद के साथ की गई तीन तमिल फिल्मों मनोहरा, इरुवर उल्लम तथा ताई इल्लाद पिल्लै का जिक्र करते हुए कहा कि इन फिल्मों के संवाद उन्होंने लिखे थे। तीसरी फिल्म ताई इल्लाद पिल्लै के लिए उन्होंने अतिरिक्त मेहनताने की मांग की। प्रसाद ने विश्वास दिलाया कि फिल्म सौ दिन चली तो वे उन्हें दस हजार रुपए देंगे। अपनी कथनी के अनुरूप ही फिल्म के सौवें दिन हाथ में दस हजार थमा दिए। वे वचन के ही नहीं करनी व इरादे के भी पक्के थे। उनका सपना फिल्म जगत में नई ऊंचाइयों को छूना था जिसके लिए उन्होंने जिंदगी प्रयास किया। युवाओं व प्रसाद ग्रुप में कार्य करने वाले सभी लोगों को उनके लक्ष्य को पूरा करने का प्रयास करना होगा। उनके लक्ष्य को पूरा करने की शपथ ही उन्हें दी गई सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्रसाद के निधन को फिल्म जगत की अपूरणीय क्षति बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि फिल्म ताई इल्लाद पिल्लै की परिकल्पना से ही पता चल जाता है कि वे क्रांतिकारी विचारों वाले थे। उस जमाने में जब वर्ग व जातिवाद हावी था तब ब्राह्मण व दलित वर्ग पर आधारित फिल्म बनाकर प्रसाद ने यह साफ कर दिया कि वे सामाजिक समानता व समभाव नीति के हिमायती थे।

केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री डा. दसरी नारायण राव जो स्वयं एक फिल्मकार भी रह चुके हैं ने कहा, प्रसाद का जन्म शताब्दी समारोह हमें ही नहीं बल्कि पूरे भारतीय फिल्म जगत को मनाना चाहिए। हिन्दी व तमिल सहित उन्होंने कई भाषाओं में सार्थक फिल्में बनाई। फिल्म जगत के लिए उन्होंने तन, मन व धन सबकुछ न्यौछावर कर दिया। फिल्म जगत से जुड़ी भी आधुनिक प्रौद्योगिकी अथवा उपकरण को लाने में प्रसाद व उनकी कंपनी हमेशा अग्रणी रहा जिसका फायदा पूरे उद्योग को हुआ। दक्षिण भारत के फिल्मकारों को उन्होंने सृजकों की संज्ञा दी और कहा कि भारतीय फिल्म जगत द्वारा इसकी उपेक्षा किया जाना दुर्भाग्य है। हालांकि केंद्र सरकार ने आंध्रप्रदेश में जन्मे एल. वी. प्रसाद को दादा साहब फाल्के अवार्ड व संस्मरणात्मक डाक टिकट जारी कर नवाजा है।

मित्र, दार्शनिक व दूरदृष्टा

करुणानिधि व मंत्री राव के अलावा ख्यात निर्देशक के. बालचंदर, फिल्मकार मणिरत्नम, अभिनेता कमल हासन, जितेंद्र, वरिष्ठ अदाकारा अंजलि देवी, सरोजा देवी व सौकार जानकी ने बारी-बारी से दिवंगत प्रसाद के व्यवहार व आचरण की तारीफ की। सभी का कहना था कि वे एक अच्छे मित्र, उदारवादी, कुशल सृजक तथा भविष्यवेत्ता थे। इस अवसर पर एल. वी. प्रसाद के पुत्र ए. रमेश प्रसाद व उनके पौत्र ए. साई प्रसाद सपरिवार मौजूद थे।